राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी

सादर प्रकाशनार्थ :-

जयपुर, 30 जून। भाजपा के नेता आकंठ भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं, अपने आपको ईमानदार, राष्ट्रवादी, राष्ट्रप्रेमी तथा अनुशासित कहने वाले इन भाजपा नेताओं का वास्तविक चेहरा जनता के सामने प्रकट हो गया है। प्रदेश एवं देश में आज यह चर्चा चरम पर है कि जयपुर नगर निगम ग्रेटर के पूर्व मेयर पति आरएसएस के दफ्तर के अंदर आरएसएस प्रमुख की मध्यस्था में उसके सामने बैठकर बी.वी.जी. कम्पनी के बकाया बिलों के भुगतान की एवज में 20 करोड़ रूपये बतौर कमीशन घूस लेने का सौदा करने की बात करते हुए एक वीडियो में नजर आये हैं जिसके आधार पर एसीबी ने प्राथमिकी दर्ज कर पूर्व मेयर पति राजाराम को भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार किया जिसके साथ ही भाजपा तथा आएसएस जो अपने आपको ईमानदार, राष्ट्रवादी, राष्ट्रप्रेमी तथा अनुशासित जीवन जीने वाला बताते हैं के चेहरे बेनकाब हो गये हैं।

उक्त विचार राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री गोविन्द सिंह डोटासरा ने आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, जयपुर पर आयोजित प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि मेयर पति का घूस मांगने का वीडियो सामने आने के पश्चात् एसीबी द्वारा उक्त वीडियो की जॉंच राज्य विधि विज्ञान प्रयोगशाला में करवाने के साथ ही तेलंगाना प्रदेश की एफएसएल में भी जॉंच करवाई तथा वीडियो के सही पाये जाने पर पूर्व मेयर पति राजाराम गुर्जर की गिरफ्तारी भ्रष्टाचार करने के आरोप में की गई है। उन्होंने एसीबी से सवाल किया है कि वीडियो के प्रमाणित होने की रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात् उक्त वीडियो में मौजूद आरएसएस के पदाधिकारी जो उस वीडियो में मेयर पति राजाराम के साथ बिल पास करवाने की एवज में कमीशन मांगने में संलिप्त हैं की गिरफ्तारी क्यों नहीं की गई है? उन्होंने कहा कि वीडियो में स्पष्ट रूप से दर्शित है कि पूर्व मेयर पति बी.वी.जी. कम्पनी के अधिकारियों से यह कह रहे हैं कि उक्त आरएसएस के पदाधिकारी भाई साहब जो निम्बाराम बताये जाते हैं किसी से मिलते नहीं है, केवल आप ही से मिल रहे हैं, आप किसी को भाई साहब के बारे में मत बताना, इनकी मौजूदगी में 10 प्रतिशत कमीशन की डील की गई।

श्री डोटासरा ने कहा कि अपने आपको राष्ट्रवादी, राष्ट्रप्रेमी, ईमानदार, अनुशासित बताने वाले आएसएस के लोग आज देश में धर्म के नाम पर राजनीति कर रहे हैं, धर्म के नाम पर चंदा उघाते हैं, फिर चंदे में बेईमानी कर भ्रष्टाचार की पराकष्ठा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 18 मार्च को इन्हीं लोगों द्वारा अयोध्या में राम मंदिर हेतु दो करोड़ रूपये की जमीन 18 करोड़ रूपये में खरीद कर अपने भ्रष्टाचारी होने का एक और उदाहरण प्रस्तुत किया था। उन्होंने कहा कि राष्ट्रवाद के आवरण में छुपे हुए इन भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही कर गिरफ्तार करना चाहिए तथा ऐसे लोगों का सामाजिक बहिष्कार होना चाहिए ताकि इनके वास्तविक चेहरे आम जनता के बीच उजागर हो सकें।

उन्होंने कहा कि भाजपा व आरएसएस का चाल, चरित्र, चेहरा उजागर हो चुका है। ये लोग भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे हुए हैं। इनका लोकतंत्र में कोई विश्वास नहीं है और ना ही इनका समाज सेवा से कोई सरोकार है।

उन्होंने प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से सरकार एवं एसीबी से मांग की है कि पूर्व मेयर पति के वीडियो के प्रमाणित होने के पश्चात् उक्त वीडियो में नजर आ रहे सभी लोगों की अविलम्ब गिरफ्तारी की जाये। उन्होंने कहा कि जो लोग धर्म के नाम पर राजनीति करते हैं, चंदा लेते हैं तथा जनता द्वारा दिये गये चंदे का दुरूपयोग कर अमानत में खयानत करते हैं ऐसे लोगों पर तुरंत कार्यवाही की जानी चाहिये। राष्ट्रवाद एवं अनुशासन प्रेमी होने का चोला पहने हुए इन लोगों की सच्चाई जनता के सामने आनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार की भ्रष्टाचार के विरूद्ध जीरो टोलरेंस की पॉलिसी है। कोई भी व्यक्ति चाहे वह कितना ही बड़ा अधिकारी हो अथवा कितने ही बड़े राजनीतिक रसूख रखता हो, यदि भ्रष्टाचार में सम्मलित पाया जायेगा उसके खिलाफ कठोर कार्यवाही की जानी चाहिए।